



## संपादकीय

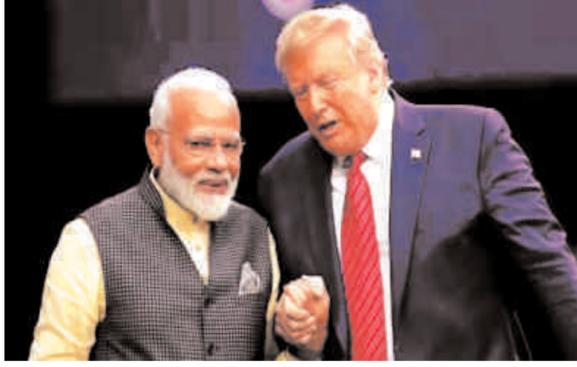
## अमेरिका की नई धमकी से बढ़ी भारत की चिंता

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप शायद विश्व रजनीति में धमकी की नई परंपरा शुरू करने पर तुले हैं। अब उन्होंने रूस से कच्चा तेल खरीदने वालों को धमकाया है कि जो ऐसा करेगा, वह अमेरिका में कारोबार नहीं कर पाएगा। ऐसे देशों पर पच्चीस से पचास फीसद तक अतिरिक्त शुल्क लगाया जाएगा। यह धमकी उन्होंने इसलिए दी है कि रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त करने की दिशा में न तो रूस और न ही यूक्रेन ने अपेक्षित सहयोग कर रख दिखाया है। इससे ट्रंप निराश हैं।

पिछले महीने यूक्रेन की राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेन्स्की को बुला कर ट्रंप ने कड़े शब्दों में फटकार लगाई थी। यूक्रेन को दी जाने वाली अमेरिकी मदद पर रोक लगा दी गई है। इससे उम्मीद बनी थी कि रूस, अमेरिका की युद्ध विरम संबंधी शर्तें मान जाएगा, मगर उसने अपनी शर्तें

रख दी कि सभी नाटो देश यूक्रेन को सैन्य मदद और गोपनीय सूचनाओं पर रोक लगाएँ, तभी वह युद्ध विरम पर विचार कर सकता है। यह अमेरिका के लिए कठिन ही नहीं, शायद कभी पूरी न हो सकने वाली शर्त है। ऐसे में ट्रंप ने अब रूस पर नकेल कसने का रस्ता चुना है। मगर यह रस्ता भी उनके लिए कितना आसान और कारगर साबित होगा, वहना मुश्किल है।

अमेरिका की नई धमकी से भारत की चिंता जरूर कुछ बढ़ गई है, क्योंकि सचमुच अगर वह ऐसा करता है, तो भारत की तेल कंपनियों के लिए रूस से तेल खरीदना मुश्किल हो जाएगा। अभी भारत सबसे अधिक कच्चा तेल रूस से खरीदता है। पहले ईरान और खाड़ी देशों से खरीदता था, मगर अमेरिका की प्रतिबंध के बाद भारतीय तेल कंपनियों ने वहाँ से तेल खरीदना बंद करके रूस



से खरीदना शुरू कर दिया था। इस तरह कच्चे तेल की कीमत बढ़ने से मंहंगी तेजी से बढ़ेगी, जिसका अर्थव्यवस्था पर बहुत बुरा असर पड़ेगा।

हालांकि भारतीय तेल कंपनियाँ अभी समझ नहीं पा रही हैं कि अमेरिका का अतिरिक्त शुल्क लगाने का ढाँचा क्या होगा, इसलिए वे इसे अधिक चिंता का विषय नहीं मान रही हैं, पर जिस तरह पहले ही पास्पास्कि शुल्क नीति के तहत अमेरिका ने भारी शुल्क थोप दिए हैं, उससे भारत के लिए संतुलन बिठाना कठिन हो रहा है। यह नया शुल्क और पेशान करने वाला साबित हो सकता है।

मगर ट्रंप प्रशासन के लिए भी अपनी शुल्क नीति पर लंबे समय तक कायम रह पाना कठिन होगा। इसे लेकर अमेरिका में ही विरोध हो रहा है। इसलिए कि पास्पास्कि शुल्क के चलते अमेरिकी कारोबार पर भी बुरा असर पड़ सकता है। जिन

चीजों के लिए अमेरिका दूसरे देशों पर निर्भर है, उनकी कीमतें बढ़ेंगी, तो वहाँ भी मंहंगी बढ़ेगी। ऐसे में अमेरिकी लोगों का विरोध लंबे समय तक सहन कर पाना ट्रंप के लिए आसान नहीं होगा। वहाँ के मध्यवर्धि चुनाव में ट्रंप की पार्टी के लिए भी मुश्किलें बढ़ सकती हैं। फिर यह भी कि ट्रंप के नए प्लान से रूस कितने दबाव में आ पाएगा, वहना मुश्किल है। यूक्रेन की राष्ट्रपति के साथ जैसा व्यवहार ट्रंप ने किया, उससे ज्यादातर पश्चिमी देश नाराज हैं। इसलिए रूस-यूक्रेन संघर्ष खत्म करने का उनका दावा कमजोर पड़ता जा रहा है। दोनों देशों के बीच चल रहा संघर्ष निश्चित रूप से रुकना चाहिए, यह दुनिया की बेहद बुरी बात है। मगर धर्म और धमकी के सहारे ऐसा हो पाना शायद ही संभव हो, इसके और उलझने की आशंका बनी रहेगी।

## अधिकारियों ने नहीं दिया अचल संपत्ति का ब्योरा



सस्कर अधिकारियों और कर्मचारियों को अपनी संपत्ति का ब्योरा देने के लिए बार-बार कहने पर भी सार्थक नतीजे नहीं निकले हैं, तो इसकी वजह क्या हो सकती है, इसे समझा जा सकता है। दरअसल, कोई बड़ी दंडात्मक कार्रवाई न होने से प्रायः अधिकारी अपनी संपत्ति का ब्योरा देने से कतरते हैं। ऐसे में, संसद की एकस्थायी समिति ने निर्धारित समय सीमा में ब्योरा दाखिल न करने वाले भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के खिलाफ उचित कार्रवाई का सुझाव देकर स्पष्ट कर दिया है कि उनमें कहीं न कहीं पारदर्शिता की कमी है। हैरत की बात है कि निर्देश के बावजूद वर्ष 2024 में इन्होंने अधिकारियों ने अपनी संपत्ति का ब्योरा दाखिल किया। जबकि इससे पहले तिहतर अधिकारियों ने ही ऐसा किया था। बड़े अधिकारी ब्योरा देने से बच रहे हों, तो जाहिर है कि कहीं न कहीं उनमें ईमानदारी का अभाव है। अगर कोई भ्रष्ट आचरण नहीं किया, तो फिर अपनी अचल संपत्ति की जानकारी देने से क्यों गुरेज? वे कुछ छिपा रहे हैं, तो कहीं न कहीं कुछ गड़बड़ है। ऐसे में अधिकारियों को कार्यशील पर सवाल उठाना स्वाभाविक है। कोई दो मत नहीं कि ऐसे अधिकारी ही जवाबदेही से बचने का प्रयास करते हैं। जब उमरी स्तर पर जवाबदेही नहीं दिखेगी, तो निचले स्तर पर क्या उम्मीद की जा सकती है। यह तय है कि ईमानदारी, पारदर्शिता और जवाबदेही के बिना कहीं भी सुशासन की उम्मीद नहीं की जा सकती। अगर कोई अधिकारी आदेश के अनुपालन में लापरवाही बरतता है, तो उसके खिलाफ निरसंदेह कार्रवाई होनी चाहिए। संसद की स्थायी समिति का यह सुझाव उचित है कि संपत्ति का ब्योरा दाखिल करने के लिए एक निरानुसृत तंत्र स्थापित हो और इसमें एक कार्यबल का गठन किया जाए, जो ब्योरा दाखिल न करने वाले अधिकारियों पर नजर रखे। इसके बाद आगे की प्रक्रिया तय होगी। सस्कर तंत्र में जवाबदेही सुनिश्चित होनी ही चाहिए। संसदीय समिति को इसी जवाबदेही की चिंता है। बेहतर होता कि बजाय कार्रवाई के डर से, अधिकारी स्वच्छ से अपनी संपत्ति की सूचना देते। समिति की सिफारिश के बाद उम्मीद की जा सकती है कि इसके सकारात्मक नतीजे सामने आएँ।

## आज का कार्टून

प्रदेश के 19 धार्मिक जगहों पर शराबबंदी

चलिए, होम डिलीवरी के लिए रोजगार का भी सृजन होगा!



## कन्याओं का पूजिये भी, आत्मसुरक्षा भी सिखाइए...

## अशोकमयूष

समय के साथ-साथ समाज की प्राथमिकताएँ भी बदलीं। नही बदला तो महिलाओं और युवतियों के शोषण का सिलसिला। भारतीय समाज में फैली दहेज की कुरूपता के कारण गर्भ में ही बालिका भ्रूण मारे जाने लगे। परिवार में ही आसपास ने नाते, रिश्तेदारों और अन्यों द्वारा छुटपन से बेटियों के साथ छेड़छाड़, यौन शोषण चलता रहा। देश में चेतना आई, शिक्षा का स्तर बढ़ा पर महिलाओं के प्रति होने वाले अपराध कम नहीं हुए। हाल ही में राष्ट्रीय महिला आयोग ने सुचित किया कि वर्ष 2021 के प्रारंभिक आठ महीनों में महिलाओं के खिलाफ अपराधों की शिकायतों में पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 46 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। हम अपने परिवार की बेटों को ऐसे संस्कार और शिक्षा दें। उसे आत्मनिर्भर बनाएँ, आत्मसुरक्षा सिखाएँ, ज्यादातियों के खिलाफ उसे आवाज उठाना भी सिखाएँ ताकि समाज की कन्या और समाज बेटों की खबर अखबार की सुर्खी न बने। उसके साथ ज्यादाती करने का कोई हौसला न कर सके। हाल में अच्छा यह हुआ है कि केन्द्र ने इस तरह की घटनाओं के लिए पास्को एक्ट बनाया। इसमें त्वरित न्याय दिलाने की भी व्यवस्था की है, ताकि अपराधी अपराध करता डरे। जरूरत है कि पास्को एक्ट के तहत हुए निर्णयों का प्रचार-प्रसार व्यापक स्तर से किया जाए ताकि अपराधी भी भय पैदा हो।

नवरात्र में अधिकांश हिंदू परिवार घर में माँ के कलश की स्थापना करते हैं। इन नौ दिन उपवास रखकर देवी के विभिन्न रूपों की पूजा की जाती है। देवी स्वरूपा कन्याओं की पूजा जाता है। उन्हें जिमाया जाता है। वस्त्रादि भेंट किए जाते हैं। ये परंपरा सदियों से चली आ रही है। सदियों से चली आ रही इस परंपरा में वक्त के हिसाब से अब सुधार की जरूरत है। आज जरूरत है कि हम कन्याओं को पूजे और जिमाएँ ही नहीं। उन्हें शिक्षित भी करें। उन्हें आज के समय और परिस्थिति में जीने के अनुकूल बनाएँ। आत्मसुरक्षा भी सिखाएँ। उन्हें गुड टच और बेड टच से अवगत भी कराएँ। कन्याओं को आज के समाज में शान और सम्मान के साथ जीने के योग्य बनाएँ। ज्यादाती के खिलाफ बोलना भी बने। ज्यादाती का मुकबला भी कम्पा सिखाएँ।

नवरात्र देश भर में अलग-अलग रूप में मनाए जाते हैं। पूजा अर्चना की जाती है। सबका तात्पर्य यह ही है कि देवी शक्ति की पूजा कर हम उनसे अपने और समाज के कल्याण का आशीर्वाद मांगें। स्वस्थ समाज की मांग करें। ये सब कुछ सदियों से चला आ रहा है। आज समय की मांग है कि हम आगे बढ़ें। वक्त की जरूरत के साथ परिवर्तन करें।

आज देश की देवियाँ, महिलाएँ, मातृशक्ति विकास के हर क्षेत्र में अपना योगदान कर रही हैं। करतों बहुत समय से चलाती रही हैं। अब ये आटो, ट्रक, ट्रेन, मालगाड़ी भी चलाने लगीं हैं। ये प्लेन उड़ा रही हैं। अब तो सेना में जाकर बाइंडर की हिफाजत भी कर रही हैं। आधुनिकताम लड़ाकू विमान भी उड़ा रही हैं। उन्हें नियंत्रित भी कर रही हैं।

कभी गाना, बजना, नाचना महिलाओं की कला मानी जाती थी। उसमें उन्हें पारंगत करने के साथ-साथ पुराने समय से परिवार की बेटियों को सिलाई, कढ़ाई, बुनाई, अनाज पीसाई, छानाई के साथ घर के कामकाज भोजन बनाने में आदि में निपुण किया जाता था। ताकि वह समय की जरूरत के हिसाब से शादी के बाद अपने परिवार को संभाल सकें। इस समय शिक्षा पर उतना जोर नहीं था। परिवार की जरूरतें बढ़ी तो पढ़ी-लिखी महिलाएँ घर की चाहर दीवारी से निकलीं। नौकरी करने लगीं। बिजनेस में परिवार को सहयोग देने लगीं। समय बदला। महिलाएँ आज शिक्षित हो सभी क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दे रही हैं। नौकरी के लिए अनेकी युवती का विदेश जाना अब आम हो गया। पैर मिलेट्री फ़ैसंस में योगदान करने के साथ आज वह सेना में आकर देश सीमाओं को सुरक्षित बनाने और शांति से लोहा लेने में भी लगीं हैं।

समय के साथ-साथ समाज की प्राथमिकताएँ भी बदलीं। नही बदला तो महिलाओं और युवतियों के शोषण का सिलसिला। भारतीय समाज में फैली दहेज की कुरूपता के कारण गर्भ में ही बालिका भ्रूण मारे जाने लगे। परिवार में ही आसपास ने नाते, रिश्तेदारों और अन्यों द्वारा छुटपन से बेटियों के साथ छेड़छाड़, यौन शोषण चलता रहा। देश में चेतना आई, शिक्षा का स्तर बढ़ा पर महिलाओं के प्रति होने वाले अपराध कम नहीं हुए। हाल ही में राष्ट्रीय



महिला आयोग ने सूचित किया कि वर्ष 2021 के प्रारंभिक आठ महीनों में महिलाओं के खिलाफ अपराधों की शिकायतों में पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 46 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। राष्ट्रीय महिला आयोग के साल 2021 में महिलाओं के खिलाफ अपराधों की करीब 31,000 शिकायतें मिली थी जो 2014 के बाद सबसे ज्यादा है। इनमें से आधे से ज्यादा मामले उत्तर प्रदेश के थे। महिलाओं के खिलाफ अपराधों की शिकायतों में 2020 की तुलना में 2021 में 30 प्रतिशत का इजाफा हुआ था। साल 2020 में कुल 23,722 शिकायतें महिला आयोग को मिली थीं। राष्ट्रीय महिला आयोग की ओर से जारी आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक 30,864 शिकायतों में से, अधिकतम 11,013 सम्मान के साथ जीने के अधिकार से संबंधित थीं। फरेलू हिंसा से संबंधित 6,633 और दहेज उत्पीड़न से संबंधित 4,589 शिकायतें थीं। सबसे अधिक आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश में महिलाओं के खिलाफ अपराधों की सबसे अधिक 15,828 शिकायतें दर्ज की गईं, इसके बाद दिल्ली में 3,336, महाराष्ट्र में 1,504, हरियाणा में 1,460 और बिहार में 1,456 शिकायतें दर्ज की गईं। आयोग के आंकड़ों के अनुसार, महिलाओं के शील भंग या छेड़छाड़ के अपराध के संबंध में 1,819 शिकायतें मिली हैं। बलात्कार और बलात्कार की कोशिश 1,675 शिकायतें, महिलाओं के प्रति पुलिस की उदासीनता की 1,537 और साइबर अपराधों की 858 शिकायतें मिली हैं। ये वे शिकायतें हैं जो रजिस्टर होती हैं। इससे कई गुनी शिकायत तो दर्ज ही नहीं होती। पश्चिम बंगाल में शिकायतें पैदा होती हैं कि वत की बातक घटनाएँ दबा ली जाती हैं।

अब तक बच्चियों को गाने-बजाना, डांस करने के वीडियो सामने आते थे। हाल ही में एक वीडियो के तहत आया जिसमें एकपिता अपनी बेटों को लाठी चलाना सिखा रहा है। इस छोटे से वीडियो के बहुत

पसंद किया गया। आज समय की मांग है कि पश्चिम विरोधक माँ बेटों को बचपन से गुड टच और बैड टच से अवगत कराएँ। इनका अंतर बताएँ। कहीं कुछ घर के आसपास, स्कूल में, स्कूल बस में अगर ऐसा होता है तो बचकर आकर बताएँ। बेटों अब घर की देहरी के अंदर तक ही सीमित नहीं रह गई है। वह कर्म के लिए घर से बाहर निकल रही है। ट्रेन में, बस में अकेले सफर कर रही है। नौकरी के लिए सात समुंद पार जा रही है। ऐसे में जरूरत है उसे आत्मसुरक्षा की जानकारी देने की। जुड़े-कराटे सिखाने की। आत्मसुरक्षा में निपुण करने की, ताकि वह विपरीत परिस्थिति में अपना बचाव कर सके। अगर ऐसा होगा तो छेड़छाड़ करने वाले के भय से युवती को आत्महत्या नहीं करनी पड़ेगी। जबकि आज इस तरह की रोज अखबारों में खबर आ रही है। पिछले दिनों में मुद्रादाबाद में से 12वीं में पढ़ने वाली छात्रा ने छेड़छाड़ से पेशान होकर कीटाशक खा कर आत्महत्या कर ली। मुंबई के विनोबा भावे नगर चचेरे भाई के बार-बार यौन उत्पीड़न से तंग आकर 15 वर्षीय किशोरी ने आत्महत्या कर ली। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जनपद में मनचले की छेड़छाड़ से पेशान छात्रा ने अपने ही घर में फाँसी का फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। इस तरह की खबर अखबारों में सुर्खियां बन रही हैं। हम अपने परिवार की बेटों को ऐसे संस्कार और शिक्षा दें। उसे आत्मनिर्भर बनाएँ, आत्मसुरक्षा सिखाएँ, ज्यादातियों के खिलाफ उसे आवाज उठाना भी सिखाएँ ताकि समाज की कन्या और समाज बेटों की खबर अखबार की सुर्खी न बने। उसके साथ ज्यादाती करने का कोई हौसला न कर सके। हाल में अच्छा यह हुआ है कि केन्द्र ने इस तरह की घटनाओं के लिए पास्को एक्ट बनाया। इसमें त्वरित न्याय दिलाने की भी व्यवस्था की है, ताकि अपराधी अपराध करता डरे। जरूरत है कि पास्को एक्ट के तहत हुए निर्णयों का प्रचार-प्रसार व्यापक स्तर से किया जाए ताकि अपराधी भी भय पैदा हो।

## बदलाव के दौर में गांवों के अस्तित्व का संकट

## रिचुप्रिया शर्मा

मले ही शहर के किराए के कमरों में छोटी-सी घुटन मरी जगह में रहना पड़े, सिर्फ शहर में रहने के लिए लोग मजबूरीवश खुला आकाश भूल जाते हैं। छोटी-छोटी चीजों के लिए संघर्ष करना उनकी दिनचर्या का भाग बन जाता है। लेकिन जब कुछ लोग अपने बच्चों को शहर दे पाते हैं तब भी वे गांव वापस लौटना पसंद नहीं करते हैं। शहर उनकी आस बन जाता है और गांव उनका इतिहास हो जाता है। वे अब कमी नहीं लौटना चाहते उन घरों में जिनमें वे कभी बहुत खुश रहते थे और खुले गलियारों में जहां उन्हें सांस लेने के लिए शुद्ध हवा मिलती थी। ऐसा क्यों हुआ? इसके बहुत से कारण हो सकते हैं, लेकिन शहरों का भी कम बुरा हाल नहीं है।

गांव शब्द आते ही हम और आप खेतों, किसानों, ग्रामीण महिलाओं, और गलियों में खेलते बच्चों की कल्पना करने लग जाते हैं। हालांकि अब गांव भी वैसे नहीं रहे जैसे कि हमारी कल्पनाओं में अब तक रहे हैं। ग्रामीण इलाकों में जिस तरह सामाजिक और आर्थिक जटिलताएं रही हैं, उसके मद्देनजर देखें तो कुछ मायनों में यह काफी अच्छा है कि हमारे गांव आज की दुनिया से जुड़ रहे हैं। आज की दुनिया तकनीक और प्रचार पर चलती है। गांव के लोग भी समझ रहे हैं कि अगर दुनिया में टिके रहना है तो हमें इन सभी चीजों को अपनाना होगा।

मगर इस क्रम में जो दिशा अपनाई गई है और जो रफ्तार है, इससे जो समझ विकसित और मजबूत हो रही है, उसने गांव को गांव से दूर कर दिया है। जहां गांव की सरसताएँ शहरों में पहुंचनी चाहिए थी, वहां शहर गांवों तक पहुंच गए हैं। इमारतें बन गईं, खेत कट गए, जंगलों का हाल बेहाल हो गया। यहां तक कि दूरदूर के गांवों की दशा यह होती गई है कि वे खाली होते जा रहे हैं। इसके अलावा, गांव की सरसता और सहजता अब धीरे-धीरे गायब होती दिखने लगी है। गांव जिस तरह शहरों से जुड़ रहे हैं, वहां तक तो ठीक है, लेकिन इस क्रम में जो चीजें पीछे छूट गईं या जो लोग

पिछड़ गए, उनका अस्तित्व संकट में पड़ गया है। वे गांव कड़-कड़ स्तर पर खाली हो गए, क्योंकि उनके बाशिंदे रोजगार, नई दुनिया की तलाश, बराबरी के माहौल और अपने भीतर के गांव को निकालने शहर आ गए। शहर में बसने का एक मुख्य कारण शिक्षा भी रहा। शिक्षा, रोजगार, नौकरी, पैसा, शोहरत सभी शहर में हैं, तो फिर प्रश्न है कि गांव का क्या होगा? गांव को किसने इस हाल में छोड़ दिया कि लगातार 'अह ग्राम्य जीवन' के राग और महिमामंडन के बीच गांव लाचार होते चले गए? आज भी ऐसे गांवों को देखा जा सकता है जिनका ज्यादातर हिस्सा खाली हो गया है। कुछ लोगों ने वहां बड़े-बड़े आशियाने बसाए, लेकिन अब वहां सिर्फ पत्थी बैठते हैं। उन घरों को देखकर ऐसा लगता है कि उन्हें मेहनत और आशा के साथ बनाया गया था, लेकिन उन सब पर शहर हवा ही गया और गांव पीछे छूट गया।

ऐसे तमाम लोग हैं, जिनके भीतर अपने-अपने संस्कारों का शहरी जीवन देखकर घर के प्रति लगाव कमजोर पड़ गया और वे शहरी संस्कृति की तरफ बेतराहता दौड़ने लगे। इनके मूल में एक वजह यह भी है कि गांव में रोजगार की कमी है। सरकारें आई और गईं योजनाएं भी लाई गईं और उन्हें कार्यान्वित करने की कोशिश आज भी जारी है, लेकिन छोटे-मोटे क्रमों, इलाकी और छोटे-छोटे बाशिंदों



के अतिरिक्त अधिकतर गांवों की दशा ठीक नहीं है। ऐसे में मजबूत परिवारों में छोड़ देते हैं। किसी के गांव से शहर चले जाने पर कई बार सवाल तो उठाना जाता है, लेकिन शहर का रुख करने की वजहों पर शायद गौर नहीं किया जाता। जो लोग गांव में जीवन के जीवत अनुभवों के साथ जीते हैं, उनके सामने आखिर कैसी परिस्थितियाँ पैदा होती हैं कि वे गांव छोड़कर बाहर निकल जाते हैं?

भले ही शहर के किराए के कमरों में छोटी-सी घुटन भरे जगह में रहना पड़े, सिर्फ शहर में रहने के लिए लोग मजबूरीवश खुला आकाश भूल जाते हैं। छोटी-छोटी चीजों के लिए संघर्ष करना उनकी दिनचर्या का भाग बन जाता है।

लेकिन जब कुछ लोग अपने बच्चों को शहर दे पाते हैं तब भी वे गांव वापस लौटना पसंद नहीं करते हैं। शहर उनकी आस बन जाता है और गांव उनका इतिहास हो जाता है। वे अब कमी नहीं लौटना चाहते उन घरों में जिनमें वे कभी बहुत खुश रहते थे और खुले गलियारों में जहां आखिर कैसी परिस्थितियाँ पैदा होती हैं कि वे गांव छोड़कर बाहर निकल जाते हैं? ऐसे क्यों हुआ? इसके बहुत से कारण हो सकते हैं, लेकिन शहरों का भी कम बुरा हाल नहीं है। भीड़ बढ़ने से शहरों की स्थिति बहुत खराब हो गई है। शहर में प्रदूषित हवा, अस्वच्छता, कंक्रिट की इमारतें, वृक्षहीन सड़कें, वाहनों का शोर, मनुष्य की टकराहट और भावनाओं के आवेग का प्रचूरण है। इसे

चाहकर भी मिटना संभव नहीं है। ऐसे में क्या किया जाए? क्यों न गांव के खालीपन को भर जाए और वहां भी शहर जैसा विकास किया जाए, ताकि लोग गांव छोड़कर न जाएं?

रोजगार, शिक्षा, कारोबार, तकनीक नई दुनिया से गांव का परिचय करवाकर ऐसा संभव हो सकता है। फिर लोग लौटने लगेंगे अपने खाली पड़े आशियानों में, खेतों में रैनक होगी, जंगल फिर बढ़ेंगे, शहर भी सांस लेने लगेंगे और सब ठीक होने लग जाएगा। शहर और गांव अलग-अलग होंगे, पर कदम-ताल मिला सकेंगे। गांव के बच्चे भी शहर के बच्चों की तरह पढ़ सकेंगे, तकनीकों से अवगत हो सकेंगे। गांव का सूनापन भर उठेगा, आंगन खिल उठेगा, वही शहर का शोर-शराबा थोड़ा बहत देगा और कोलाहल शांति में तब्दील हो जाएगा। शहर स्वच्छ और सुंदर बनेंगे, गांव न केवल खेती, बल्कि हर क्षेत्र में आगे होंगे, इसके लिए दोनों ही व्यवस्थाओं को संरक्षित करने का प्रयास करना होगा। न केवल सरकार को, बल्कि व्यक्तिगत तौर पर हम सबका कर्तव्य है कि गांव और शहर की व्यवस्था को सही रूप में लाएँ। इसी में राष्ट्र का विकास निहित है। ये ही हमारा राष्ट्र को गांव की संस्कृति की तरफ लेकर चलेगा, जिसमें प्रेम, कृष्ण, संवेदन, कल्याण और मानवीय हित निहित होगा।



## डायबिटीज की शुरुआत में हमारा मुंह भी देता है वार्निंग साइन

टाइप-1 और टाइप-2 डायबिटीज एक क्रॉनिक डिजीज है, जो दुनियाभर में लाखों लोगों को तेजी से प्रभावित कर रही है। ब्लडसर्दीम में ग्लूकोज के निर्माण के कारण ब्लड शुगर लेवल में वृद्धि के कई लक्षण हो सकते हैं। जैसे तो डायबिटीज के कुछ लक्षण साफ नजर आते हैं और अधिकतर लोग इनके बारे में जानते भी हैं। लेकिन कुछ लक्षण ऐसे हैं, जिन पर किसी का ध्यान नहीं जाता। विशेषज्ञों के अनुसार, डायबिटीज की शुरुआत ज्यादा भूख लगने, बार-बार पेशाब आने, थकान और चिड़चिड़ेपन से होती है। इन मुख्य संकेतों के अलावा हमारा मुंह भी 3 वार्निंग साइन देता है। एक व्यक्ति की ओरल हेल्थ से उनके ब्लड शुगर लेवल सहित स्वास्थ्य के बारे में बहुत कुछ पता चल सकता है। आपकी मदद के लिए हम यहां आपको ऐसे ही 3 प्रमुख लक्षणों के बारे में बता रहे हैं।

### सूखा हुआ गला

सूखा हुआ मुंह टाइप-1 और टाइप 2 डायबिटीज दोनों के सामान्य और शुरुआती लक्षणों में से एक है। इसमें व्यक्ति का मुंह जरूरत से ज्यादा सूखने लगता है और उसकी प्यास भी बढ़ जाती है। हालात ऐसे बन जाते हैं कि वह एक बार में गैलेन पानी तक पी लेता है। हालांकि, ब्लड शुगर लेवल में वृद्धि व्यक्ति को क्यों प्यास महसूस कराती है, इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। लेकिन कई सिद्धांतों के अनुसार, मधुमेह को नियंत्रित करने के लिए ली जाने वाली कुछ दवाओं के कारण ऐसा हो सकता है। सूखे हुए मुंह के लक्षणों में जीभ में सूखापन, मुंह में नमी की कमी, फटे होंठ, मुंह में छाले और चबाने में कठिनाई जैसे लक्षण दिख सकते हैं।

### दांतों का खराब होना

डायबिटीज के रोगी में मसूड़ों की बीमारी के चलते दांत खराब होने की संभावना बढ़ जाती है। मसूड़ों के चारों तरफ प्लाक बनने से दांतों के बीच गैप आ जाता है, जिससे आसपास की पकड़ ढीली होने लगती है और दांत खराब हो जाते हैं। कई शोथों से पता चलता है कि अन्य बीमारियों से पीड़ित लोगों की तुलना में डायबिटीज रोगियों के दांत ढीला टूटते हैं। बढ़ावस्था और उन लोगों में जोखिम ज्यादा खतरनाक है, जो ओरल हेल्थ की देखभाल नहीं करते। सूजे हुए मसूड़े या दांत में दर्द हो, तो यह आपके दांतों के खराब होने का लक्षण है। ओरल हेल्थ से जुड़ी जटिलताओं से बचने के लिए डायबिटीज रोगी को अपने ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित रखना चाहिए। मधुमेह के ज्यादातर मामलों में लोग केवल पैर और आंखों की देखभाल पर ध्यान देते हैं। ऐसे में डेंटल केयर को कई बार दरकिनारा कर दिया जाता है, जो मौखिक स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है।

### मसूड़े का रोग

मुंह के सूखने पर दांतों के आसपास और मसूड़ों के नीचे लार का उत्पादन प्रभावित होता है। नतीजा, शरीर में शुगर की मात्रा बढ़ जाती है। जिससे कीटाणु और प्लैग का निर्माण होता है। यह आपके मसूड़ों को परेशान करने के साथ मसूड़ों की बीमारी, दांतों की सड़न और दांतों के झड़ने का कारण बनता है। अनियंत्रित मधुमेह के मामलों में मसूड़ों की बीमारी ज्यादा आम है। यह बीमारी इस बात का संकेत है कि आपका ब्लड शुगर लेवल खराब है और आपको इस पर ध्यान देना चाहिए। गले में खराब, मसूड़ों में खून आना, संवेदनशील दांत, सांस की दुर्गंध, मुंह में खराब स्वाद आना मसूड़ों की बीमारी के लक्षण देखे गए हैं।



## वजन घटाने में मदद कर सकता है एक गिलास दूध

दूध में प्रोसेन, एल्बिनिन और ग्लोबुलिन जैसे प्रोटीन प्रचुर मात्रा में मौजूद होते हैं, जो व्यक्ति के हंगर हार्मोन को रेगुलेट करने का काम करते हैं। दूध का सेवन करने से पेट जल्दी तृप्त हो जाता है। इतना ही नहीं दूध भूख बढ़ाने वाले हार्मोन ग्रेलिन के स्तर को कम करते हुए, भूख कम करने वाले हार्मोन जैसे जीएलपी-1, पीवाईवाई और सीसीके के स्तर को बढ़ाता है, जिससे व्यक्ति कम कैलोरी का सेवन करता है और उसे अपना वजन कम करने में सहायता मिलती है। न्यूट्रिशनल और वेलनेस एक्सपर्ट के अनुसार सोने से पहले एक गिलास गर्म दूध पीने से नींद अच्छी आती है। दूध में ट्रिप्टोफैन, मैग्नीशियम और मेलाटोनिन जैसे कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं जो नींद की समस्या को दूर करने में मदद करते हैं। ये सभी पोषक तत्व मेलाटोनिन के उत्पादन को बढ़ाकर नसों और मांसपेशियों को आराम पहुंचाने का काम करते हैं। चूंकि दूध प्रोटीन से भरपूर होता है, इसलिए यह वजन घटाने और मांसपेशियों के निर्माण में भी बेहद सहायक है। दूध जैसे प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थ

चयापचय में सुधार करके व्यक्ति को लंबे समय तक भूख का अहसास नहीं होने देते। जिसकी वजह से कैलोरी की मात्रा कम हो जाती है और व्यक्ति को वजन कम करने में भी मदद मिलती है। दूध पीने के फायदे -

### वजन कम करने में मददगार

दूध में मौजूद कैल्शियम न सिर्फ हड्डियों और दांतों के निर्माण में मदद करता है, जिन्हें वजन कम करने में भी मदद कर सकता है। सेहत पर हुए कुछ अध्ययनों के अनुसार, कैल्शियम और विटामिन डी शरीर का चयापचय बढ़ाकर कैलोरी जलाने में मदद करती है। इसके अलावा दूध में मौजूद संयुग्मित लिनोलेनिक एसिड फेट को बर्न करने में भी मददगार होते हैं।

### एनर्जी बढ़ाने में कारगर

दूध में पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन उपलब्ध होता है। यही वजह है कि रोजाना इसे डाइट का हिस्सा बनाने की सलाह दी जाती है। दिन की शुरुआत एक गिलास गर्म दूध से करने से शरीर दिनभर ऊर्जावान बना रहता है। इसके साथ ही

दूध पीने से सेहत को कई लाभ मिलते हैं, यह बात तो हम सब जानते हैं। पर क्या आपको पता है रोजाना एक गिलास दूध पीने से आप अपना कई किलो वजन भी कम कर सकते हैं। जी हां आइए जानते हैं कैसे दूध का सेवन करने से व्यक्ति घटा सकता है अपना कई किलो वजन और डाइट में इसे शामिल करने से व्यक्ति को होते हैं क्या-क्या फायदे।



ये मांसपेशियों के विकास के लिए भी बहुत जरूरी है।

### कब्ज की समस्या

अगर आपको कब्ज की समस्या है तो गर्म दूध पीना आपके लिए बहुत फायदेमंद साबित होगा। ये पाचन के लिए बेहद फायदेमंद होता है। जिन्हें कब्ज की समस्या है वो गर्म दूध को दवा के तौर पर अपना सकते हैं।

### अनिद्रा की समस्या

रात में दूध पीने का ये सबसे बड़ा फायदा है। कई ऐसे अध्ययन सामने आए हैं जिनके अनुसार, रात को सोने से पहले हल्का गर्म दूध पीने से नींद अच्छी और भरपूर आती है।

### ब्लड प्रेशर

दूध पीने के फायदे में रक्तचाप को नियंत्रित करना भी शामिल है। जी हां, लो-फैट मिल्क का सेवन करने से हाइपरटेंशन यानी उच्च रक्तचाप को नियंत्रण में रखा जा सकता है।



## आयुर्वेद औषधियों में होता है बरगद के फल का प्रयोग

बरगद के फल खनिज लवणों, एंटीऑक्सीडेंट और एनाल्जेसिक गुणों से भरपूर होते हैं जो उच्च रक्तचाप से लेकर कोरोनरी हृदय रोग के जोखिम को कम करने में सहायक है। इस पेड़ से मिलने वाले लाभों के बारे में हमें आयुर्वेदिक डॉक्टर ने विस्तार से जानकारी दी है। आज हम आपको इस पेड़ से होने वाले कई फायदों के बारे में बता रहे हैं।

### इम्यूनिटी बूस्टर

बरगद का फल एक इम्यूनिटी बूस्टर है। इम्यूनिटी बढ़ाने में बरगद का फल काफी फायदेमंद होता है। यह आपको कई बीमारियों से बचाता है और आपको खांसी, जुकाम, फ्लू आदि से भी दूर रखता है। आयुर्वेद में इस पेड़ को वट वृक्ष के नाम से जाना जाता है। बेंगलुरु के जैवोत्तम आयुर्वेद केंद्र के वैद्य डॉ. शरद कुलकर्णी खट्ट (इम्प), (च्यक) ने हमसे बातचीत में बताया बरगद के पेड़ से मिलने वाली हर एक चीज का प्रयोग प्राचीन काल से ही कई तरह की औषधियों के रूप में किया जाता है। उन्होंने बताया कि बरगद के फल से लेकर इसकी छाल, पत्ते, दूध और बीजों का भी कई रोगों के उपचार में उपयोग किया जाता है।

### बरगद के फल के पोषक तत्व

इसका वानस्पतिक नाम फिकस बेंगालेंसिस है। इस पेड़ के फल में भरपूर मात्रा में कैलोरी, कार्बोहाइड्रेट, शुगर, फाइबर, प्रोटीन, विटामिन बी1, विटामिन बी3 होता है। इसके अलावा इसकी पत्तियों में प्रोटीन, फाइबर, कैल्शियम और फास्फोरस पाया जाता है। बरगद में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट शरीर में कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कंट्रोल करने में फायदेमंद होता है।

### दिल के लिए फायदेमंद

बरगद के पेड़ के फल पोटेशियम, मैग्नीशियम, फास्फोरस, ओमेगा 3 और 6 से भरपूर होते हैं, जो स्वस्थ दिल के लिए बहुत जरूरी हैं। दिल का दौरा यानी हार्ट अटैक आमतौर पर तब होता है जब मानव शरीर में सोडियम का स्तर बढ़ जाता है जिसके चलते शरीर की धमनियों काम करना बंद कर देती हैं। सोडियम का हाई लेवल धमनियों को थ्रिंक यानी संकुचित करता है और पूरे शरीर में ब्लड सर्कुलेशन की स्पीड को धीमा कर देता है। डॉ. के अनुसार, बरगद के फल में मौजूद पोटेशियम सोडियम के स्तर को कम करने में कारगर होता है। इसमें कई ऐसे तत्व होते हैं जो रक्तचाप को कम करते हैं और कोरोनरी हृदय रोग को रोकने के लिए उपयोगी होते हैं।

### मधुमेह में लाभदायक

डॉ. ने बताया कि अगर डायबिटीज के रोगी हर रोज बरगद के फल के चूर्ण का सेवन करें तो उन्हें इसके जोखिम को कम करने में मदद मिल सकती है। मधुमेह के मरीज चाहें तो बाजार से इसका पाउडर ले सकते हैं या फिर घर पर इसका उबला हुआ पानी पी सकते हैं।

### पेट के रोग को दूर करता है

अगर आप डायरिया और पेटिश से परेशान हैं तो बरगद के पत्तों की कलियां बहुत फायदेमंद होती हैं। आयुर्वेद में इसका उपयोग पुराने दस्त और पेटिश के इलाज के लिए किया जाता है।

### इन समस्याओं से भी दिलाता राहत

आयुर्वेद में रिकन डिजीज यानी चर्म रोगों के इलाज के लिए भी बरगद के पेड़ की छाल और पत्तों का प्रयोग किया जाता है। जोड़ों के दर्द को भी कम करने में बरगद के पत्तों का पानी मदद कर सकता है। इसके लिए आपको इसके पाउडर को गर्म पानी में मिलाना है और फिर उस पानी में पैर डालने हैं, इससे आपका दर्द कम हो जाएगा।



गर्मियों के मौसम में अक्सर मोजे पहनने के बाद उन्हें उतारते ही बदन का अहसास होता है। ऐसा पैरों से निकलने वाले पसीने के चलते ही होता है। इसके अतिरिक्त पसीने की वजह से कई लोगों के तलवों अंगुलियों के निचले हिस्से से खाल उतरने लगती है या खाल नम हो जाती है, यह एक प्रकार का संक्रमण है जिसे एथलीट फुट कहा जाता है। लेकिन इस इन्फेक्शन में पैर एथलीट के पैरों की तरह मजबूत नहीं होते, बल्कि सड़ने लगते हैं और ऐसा पैरों से निकलने वाले पसीने के चलते ही होता है। यह एक तरह का दाद है जो पैर की उंगलियों से शुरू होकर पूरे शरीर में फैल सकता है। इस संक्रमण में पैर और तलवों की त्वचा सड़ने लगती है। पसीने में तर मोजे और जूते को पहनने से गर्मियों में पैरों में दाद की समस्या भी काफी बढ़ जाती है। जूते पहनने के बाद पैरों से लगातार पसीना

आता है। इसी पसीने में बैक्टीरिया पनपते हैं। पैरों से निकली डेड स्किन के साथ मिलकर ये बैक्टीरिया दुर्गंध पैदा करते हैं। अगर किसी के पैरों से बहुत दुर्गंध आ रही हो तो इसका मतलब है कि उसके पैरों में बड़ी संख्या में बैक्टीरिया फैल चुका है। पैर शरीर के उन अंगों में से एक है, जहां सबसे ज्यादा पसीना आता है। ऐसे में लोग जूते के साथ मोजे पहनते हैं। मोजे को धोने से पसीना भी धुल जाता है और पैरों में बैक्टीरिया और फंगस नहीं फैलता। लेकिन यदि कोई एक ही मोजे को बार-बार पहने या बिना मोजे के जूता पहने तो जूते में पसीना जमा होने लगता है। जिसके चलते बैक्टीरिया और फंगस बढ़ने लगते हैं। इस इन्फेक्शन की वजह से ये फंगस पैरों में दाद-खाज की वजह बन जाते हैं। इसके अलावा कभी भी एक ही मोजा बार-बार बिना धुले न पहनें। मोजे को धुलने के बाद भी अच्छे से डिसइंफेक्ट करना जरूरी है। धोते हुए ध्यान रखें कि मोजे से डिजिनेट अच्छी तरह से निकल जाए नहीं तो ये रेशेज और जलन का कारण हो सकता है। मोजे पहनते हुए ख्याल रखें कि वह पूरी तरह से सूखे हों और उनमें थोड़ी भी नमी न हो। त्वचा विशेषज्ञों का कहना है कि पसीने की नमी कई तरह के इन्फेक्शन का कारण बन रही है। ऐसे में जरूरी है कि समय-समय पर तलवों तक खुली हवा पहुंचे और वह सूखे रहें।

## पसीने के चलते पैरों में होता है इन्फेक्शन

इसके लिए कोशिश करनी चाहिए कि सप्ताह में कम से कम एक दिन जूते-मोजे की जगह सैंडल या चप्पल पहन कर बाहर निकलें और यदि घर पर हों तो स्लीपर पहनने की कोशिश करें। टाइड जुराब ब्लड सर्कुलेशन को धीमा कर देते हैं। इसके अलावा टाइड मोजे बाँधी होतों को भी बाहर नहीं आने देते, जिससे ओवरहीटिंग की समस्या हो सकती है। पैरों को भी ब्रीथ करने की जरूरत होती है। इसलिए पैरों को समय-समय पर खुले रखना और लूज जुराब पहनना जरूरी है। अपने पैरों के साइज से थोड़े बड़े और कॉटन के मोजे पहनें।



## आंखों में धुंधलेपन से बचना चाहते हैं, तो आपकी मदद कर सकती हैं आंखों के योग की क्रियाएं

अगर काम के कारण आपकी आंखों में दर्द और थकान रहती है, तो फेशियल योग आपकी मदद कर सकता है। इस योग क्रिया को करने से मात्र 10 मिनट में आग और दिमाग रिलेक्स हो जाएंगे। क्या आप कंप्यूटर के सामने बैठते वक्त अपनी आंखों को रगड़ते हैं। अगर ऐसा है, तो आप अकेले नहीं हैं। आजकल औसत वयस्क अब दिन में आठ घंटे से ज्यादा समय किसी न किसी प्रकार की स्क्रीन के सामने बैठे रहते हैं। इस बढ़ते स्क्रीन टाइम ने आंखों में धुंधलापन, खुजली, सिरदर्द, थकान और आंखों में दर्द से पीड़ित लोगों की संख्या में वृद्धि की है। दरअसल, स्क्रीन पर ज्यादातर समय बिताने की प्रक्रिया में लोग अपने शरीर के सबसे जरूरी अंग आंखों को भूल जाते हैं। कंप्यूटर और लेपटॉप पर काम करते-करते आंखों में दर्द, जलन या थकान महसूस करने लगते हैं। कमजोर या थकी हुई आंखों के कोई लक्षण नहीं

दिखते, लेकिन अगर आप भविष्य में आंखों में धुंधलेपन से बचना चाहते हैं, तो आंखों के लिए योगा की कुछ क्रियाएं आपकी मदद कर सकती हैं। इन्हें करने से मात्र 10 मिनट में न केवल आंखों को बल्कि दिमाग को भी आराम मिल जाएगा। आंखों को आराम देने वाली 3 योग क्रियाएं -

### स्टेप-1

- फेशियल योग करने से पहले चेहरे को अच्छी तरह से धो लें। इसे पोंछकर चेहरे पर कोई सिरम या फेस ऑयल लगा लें।
- अब कुछ सैकंड्स इससे मसाज करें। आपका फेस योगा करने के लिए पूरी तरह से तैयार है।
- सबसे पहले स्टेप में उंगली से अंदर आंखों पर अंदर से बाहर की तरफ मसाज करें।
- हल्के प्रेशर के साथ उंगली को घुमाएं। वैसे आप चाहें, तो इस दौरान आंखें

खुली रख सकते हैं, लेकिन बंद रखें तो आंखों को ज्यादा आराम मिलेगा।

- इस स्टेप को आप दो से तीन मिनट तक दोहराएं।
- इसके बाद बाहर से अंदर की ओर सर्कल बनाते हुए मसाज करें।
- कुछ देर मसाज करने के बाद रिलेक्स करें।

### स्टेप-2

- इस स्टेप में इंडेक्स और मिडिल फिंगर से वी शैप बनाएं।
- इसे अपनी आंखों के दोनों कोनों पर रखें।
- अब कुछ देर बिना रूके पलकों को झपकाते रहें। रिलेक्स करें और फिर दोहराएं। यहां आंखों पर रखी उंगलियों मसलते को सपोर्ट करेंगी, जिससे आंखों पर बहुत ज्यादा जोर नहीं पड़ेगा।
- इस स्टेप को एक बार में एक मिनट तक करें, रिलेक्स हो जाएं और फिर शुरू करें।

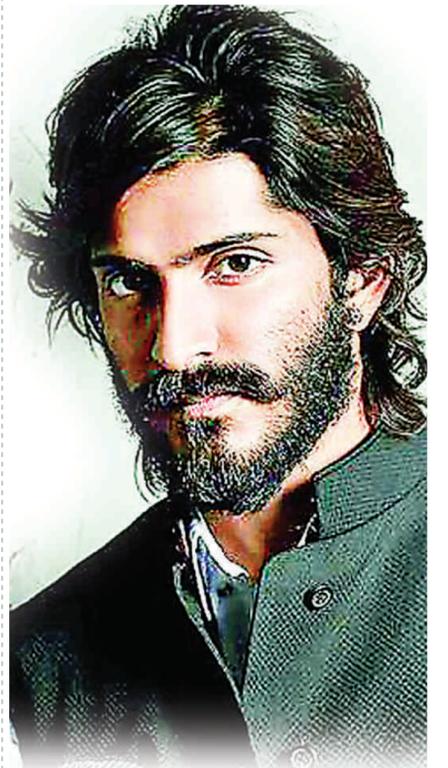
### स्टेप-3

- अपनी आंखों को बंद कर लें।
- अब आईबॉल पर उंगली से हल्का प्रेशर करते हुए अंदर से बाहर की ओर घुमाएं। इसके बाद बाहर से अंदर की ओर घुमाएं।
- अब अपने हाथों की सभी उंगलियों को एकसाथ मिला लें और एक-एक हाथ कारके आंखों पर एक-एक कर रखें।
- फिर दोनों हाथों की उंगलियों को आंखों पर रखकर रिलेक्स करें।
- इस स्टेप को आप एक बार में दो से तीन मिनट तक रिपीट कर सकते हैं। चूंकि आंखों के आसपास की त्वचा बहुत नाजुक होती है, इसलिए इसे करते समय ध्यान रखें कि आंखों पर ज्यादा दबाव न पड़े।
- इन फेशियल एक्सरसाइज को दिन के किसी भी समय किया जा सकता है। लेकिन ध्यान रखें कि योग करने से पहले हाथों को अच्छी तरह से धो लें। त्वचा पर सीरम या मॉइश्चराइजर लगा लें। ऐसा करने से स्टेप करना आसान हो जाएगा और रिकन भी डैमेज नहीं होगी।



# कार्तिक आर्यन की फिल्म में श्रीलीला की जगह नजर आएंगी राशा

पुष्पा 2 के किसिक गाने में अपने बेहतरीन डांस से सभी को अपना दीवाना बना चुकी श्रीलीला को बॉलीवुड की एक फिल्म से दरकिनार कर दिया है और अब उनकी जगह एक बॉलीवुड अभिनेत्री को ले लिया गया है, जो पहले ही उई अम्मा गाने से आपको अपना दीवाना बना चुकी हैं। श्रीलीला इन दिनों अपनी कई फिल्मों को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं, जिनमें हाल ही में साउथ अभिनेता नितिन के साथ उनकी तेलुगु फिल्म रॉबिनहुड रिलीज हुई है। वहीं श्रीलीला, कार्तिक के साथ एक अनाम फिल्म में नजर आएंगी, लेकिन वही अब उन्हें कार्तिक की ही एक फिल्म से निकाल दिया गया है, जिसकी वजह और कोई नहीं बल्कि रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी हैं। एक खबर के मुताबिक, श्रीलीला को कार्तिक आर्यन के साथ फिल्म पती पती और वो के सीकल में फाइनल कर लिया गया था, लेकिन आखिरी मंके पर फिल्म के निर्माताओं ने उन्हें हटा दिया। कहा जा रहा है कि यह फिल्म पति पती और वो का सीकल है, जिसमें श्रीलीला को लगभग फाइनल कर ही लिया गया था। लेकिन अब उनकी जगह रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी को ले लिया गया है। वहीं, श्रीलीला इस समय कार्तिक आर्यन के साथ अपनी पहली अनाम हिंदी फिल्म की शूटिंग कर रही हैं। इस शूटिंग के वीडियो सोशल मीडिया पर पहले ही वायरल हो चुके हैं। जिसे लेकर कार्तिक और श्रीलीला दोनों ही अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते रहते हैं। पति पती और वो 2019 में रिलीज हुई एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है, जिसे मुद्रसर अजीज द्वारा लिखित और निर्देशित किया गया है। यह फिल्म 1978 में इसी नाम की फिल्म का रीमेक है। इस फिल्म में कार्तिक आर्यन, भूमि पेडनेकर और अनन्या पांडे ने अहम भूमिका निभाई थी। अब इसका सीकल आया।



## पुरानी फिल्मों बनाने पर अभिनेता का तंज, कहा सपोर्ट मिला तो करेंगे धाकड़ फिल्म

हाल ही में अभिनेता हर्षवर्धन कपूर ने निर्माताओं को पुरानी फिल्मों को महत्व देने पर टिप्पणी की है। आजकल ज्यादा बजट की फिल्मों के बारे में भी एक्टर ने अपने विचार प्रकट किए हैं। आखिर

अभिनेता ने किस बात पर कहा कि अगर समर्थन मिला तो शानदार फिल्म बनाएंगे। बॉलीवुड के हालिया प्रदर्शन पर अभिनेता की टिप्पणी हर्षवर्धन कपूर ने अपने एक्स पर ट्वीट किया, जिसमें उन्होंने लिखा कि आज 2025 में भी 1980 की फिल्मों को जगह दी जा रही है, जो फिल्में अच्छी भी नहीं थीं। इसके बाद एक यूजर ने बॉलीवुड के समाप्त होने की बात कही, तो अभिनेता ने उस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि बॉलीवुड केवल उन बड़े दिग्गज कलाकारों के लिए नहीं है। अब फिल्म निर्माताओं को कम बजट की फिल्मों पर दांव लगाना चाहिए। साथ ही उन्होंने कहा कि शुरुआती कम लगात की फिल्मों को देखने दर्शक आएंगे। इसके अलावा उन्होंने अपनी फिल्म थार का हवाला देते हुए बताया कि यह फिल्म 20 करोड़ रुपये में बनी थी, जो कई बड़ी लागत वाली फिल्मों से बेहतर थी। पैसों का उपयोग सिर्फ फिल्म बनाने में किया गया था। हर्षवर्धन ने किया ये वादा एक्स पर जब उनसे एक यूजर ने उनकी फिल्मों के बारे में सवाल किया तो उन्होंने उसके जवाब में लिखा कि इस क्षेत्र में कुछ भी अलग करना एक चुनौतीपूर्ण काम है। उन्होंने बताया कि भावेश और थार जैसी फिल्मों को बनाने में कई साल लग सकते हैं। आगे अभिनेता ने कहा कि अब निर्माता को कम बजट वाली फिल्मों बनाने की ओर ध्यान देना चाहिए।



## सहज किरदार और हर विधा में करना चाहता हूं काम

अभिनेता राघव जुयाल ने अपनी आकांक्षाओं के बारे में बात की और कहा कि वह हर विधा में काम करना चाहते हैं। उन्होंने बताया कि वह मजेदार और सहज किरदार निभाना चाहते हैं। राघव ने कहा, मैं हर विधा में काम करना चाहता हूं और मजेदार, सहज किरदार निभाना चाहता हूं, जहां मैं बस आराम से रह सकूँ और अच्छा समय बिता सकूँ, लेकिन साथ ही शानदार और चुनौतीपूर्ण भूमिकाएं भी निभाना चाहता हूँ, जो मुझे प्रेरित करती हैं। उन्होंने कहा, मैं अभिनय करूँगा, मैं डांस करूँगा, मैं होस्ट करूँगा और मैं इस इंडस्ट्री में पेश की जाने वाली हर चीज करूँगा। मैं कुछ भी मिस नहीं करना चाहता, मैं सब कुछ करना चाहता हूँ। राघव हाल ही में एक्शन फिल्म किल में नजर आए थे। उन्होंने कहा कि आलोचना एक व्यक्ति को अपने काम को बेहतर बनाने में मदद करती है। आलोचकों ने उनके जीवन को आकार दिया है। उन्होंने बताया, मेरी जिंदगी आलोचकों द्वारा बनाई गई है, मेरे करियर में बदलाव उनके द्वारा प्राप्त मान्यता के कारण हुआ, खासकर किल के साथ। यह एक अभिनेता के लिए काम करना है क्योंकि इससे अधिक अवसर भी मिलते हैं। अपनी छवि को किसी ऐसी चीज से बदलना अविश्वसनीय रूप से कठिन है जिसके लिए आप प्रसिद्ध हैं। राघव को रत्नो स्पीड की शैली में उनके डांस और भारत में स्लो मोशन वॉक के लिए स्लो मोशन किंग के रूप में जाना जाता है। वे डांस रियलिटी शो डांस इंडिया डांस 3 में एक प्रतियोगी और फाइनलिस्ट होने और डांस इंडिया डांस लिटिल मास्टर्स 2 जैसे शो में उनकी टीम की प्रस्तुति से लोकप्रिय हुए थे। उन्होंने 2014 में चारुदत्त आचार्य के निर्देशन में बनी कॉमेडी ड्रामा फिल्म सोनाली केबल से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की थी।

## स्त्री 2 के बाद बड़ा धमाल मचाएंगी श्रद्धा

श्रद्धा कपूर ने हाल ही में 'हॉरर-कॉमेडी फिल्म स्त्री 2' से दर्शकों का दिल जीता था। इसके बाद से उन्होंने अपनी अगली फिल्म की कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की थी। हालांकि, अब खबर आ रही है कि श्रद्धा जल्द ही तुम्बाइ के निर्देशक राही अनिल बर्वे के साथ एक नया प्रोजेक्ट शुरू करने वाली हैं। इस फिल्म का निर्माण एकता कपूर करेंगी। हालांकि, अभी इसकी कहानी और नाम का खुलासा नहीं हुआ है। एक रिपोर्ट के मुताबिक श्रद्धा और एकता कपूर कई फिल्मों को लेकर बातचीत कर रही हैं। श्रद्धा को पसंद आई फिल्म की कहानी रिपोर्ट के मुताबिक स्क्रिप्ट पूरी हो चुकी है और श्रद्धा इसकी अगली कहानी से बेहद प्रभावित हैं। उन्हें लगता है कि यह अनाम थ्रिलर स्त्री 2 के बाद उनके लिए एक शानदार फिल्म हो सकती है। श्रद्धा इस प्रोजेक्ट को लेकर काफी उत्साहित हैं।



## ईशा मालवीय होंगी 'नागिन' सीरियल की नई हीरोइन

एकता कपूर के सीरियल 'नागिन' के जरिए कई एक्ट्रेस टीवी पर मशहूर हो गईं। यही कारण है कि इस सीरियल का हिस्सा कई एक्ट्रेस बनना चाहती हैं। कुछ समय पहले ईशा मालवीय का नाम भी 'नागिन' के अगले सीजन के लिए सामने आया। प्रोडक्शन हाउस ने इस पर अब तक कुछ नहीं कहा है लेकिन ईशा मालवीय ने हाल ही में इस बारे में बात की। बातचीत में ईशा मालवीय ने 'नागिन' सीरियल के बारे में बात की। वह कहती हैं, 'मैं इस बारे में अभी कुछ नहीं जानती हूँ। अगर आप ऐसा कुछ होते हुए देखना चाहते हैं तो एकता कपूर मेम को मैसेज कीजिए।' इस जवाब के जरिए ईशा ने यह तो जता ही दिया कि वह 'नागिन' सीरियल का हिस्सा बनना चाहती हैं।

### खतरों के खिलाड़ी को लेकर भी बोलीं

आगे ईशा मालवीय से सवाल किया गया कि क्या वह 'खतरों के खिलाड़ी' का हिस्सा बनना पसंद करेंगी। इस पर ईशा ने कहा, 'मैं किसी भी प्रोजेक्ट को मना नहीं करती हूँ। इसलिए 'खतरों के खिलाड़ी' भी करना चाहूंगी।' ईशा को एडवेंचर, एक्शन करने का शौक है।

### 'बिग बॉस 17' के कारण चर्चा में आई ईशा

ईशा मालवीय कुछ महीनों पहले रियलिटी शो 'बिग बॉस 17' में नजर आईं। वह कई हफ्तों तक इस शो में बनी रहीं। इस शो के जरिए ही ईशा की फैन फॉलोइंग काफी बढ़ गई थी। शो से निकलने के बाद ईशा ने कुछ म्यूजिक वीडियो में काम किया।



## जाट में नजर आणा नए दौर का एक्शन

बॉलीवुड में मौजूदा दौर के हीमैन सनी देओल अपनी बहुप्रतीक्षित अगली फिल्म जाट ला रहे हैं। दिलचस्प यह है कि इसे पुष्पा बनाने वाले मेकर्स के बैनर से बनाया गया है। फिल्म गदर 2 के बाद से सनी फिर से अपने सुनहरे दौर को जी रहे हैं। पेश हैं उनसे हुई बातचीत के प्रमुख अंश:

### अब आपको रिलीज को लेकर नर्वसनेस तो नहीं रहती?

वह तो नहीं है, मगर आजकल सोशल मीडिया का दौर है, जहां सब चीज का शोर मचाना शुरू हो गया है। पहले क्या होता था कि हम शूट करते थे तो पता भी नहीं चलता था। अब सबको पता रहता है। मेरा मानना है कि आजकल लोग फिल्म के ट्रेलर को देखने के बाद समझ जाते हैं, वे तय करते हैं कि फिल्म कैसी होगी। बेशक आज भी कुछ ऐसे रटारस हैं, जिनका अच्छा कलेक्शन ओपनिंग डे पर ही आ जाता है। बाद में भले फिल्म पसंद आए या न आए।

### आज भी आप बॉडी डब्लस यूज नहीं करते?

जी हां। आज के जमाने में तो एक्शन सीकेंसेज फिल्माना और भी आसान हो गया है। क्योंकि हर चीज बड़ी नाप-तौल के साथ होती है। बल्कि पहले जब हम एक्शन करते थे तो बहुत कठिन होता था। उस वक्त ना केबल्स थे, ना कोई एयर बैग्स थे। अगर आपने छलांग मारी तो सीधे जमीन पर ही गिरना है। अब सब आसान हो गया है। वरना पहले के दौर में तो मैं सीकेंसेज के चलते चार-छह महीने बिस्तर पर रहता था। कितने सारे ऑपरेशंस हुए पड़े हैं।

### जाट करने में क्या नया लगा?

इस फिल्म में एक कहानी है, जो किरदार और घटनाक्रम को आगे लेकर चलती है। जैसे घातक में थी। मैंने ज्यादातर ऐसे किरदार ही निभाए हैं। यहां जाट से पहले हमने एक और कहानी तय की थी। एक बड़े

डायरेक्टर के साथ। फिर बाद में डायरेक्टर गोपीचंद आए। उन्होंने जब मुझे इसकी कहानी सुनाई। उसे सुनते ही मैंने फिल्म में काम करने के लिए हां कह दिया था। देश के सभी किसान मूल रूप से जाट ही हैं। अब किरदार मेरा किसान है या कुछ और वह इस वक्त नहीं बता सकता, वरना कहानी रिवील हो जाएगी। मैंने जाट में किसानों की बात कहने की कोशिश की है।

### क्या आपके साथ सिनेमा इंडस्ट्री में काभी पॉलिटिक्स हुई है?

देखिए, हम फार्मर और जाट लोग हैं। मेरा तो हमेशा मानना है कि पापा की तरह हम भी लोगों के दिलों में रहे। भगवान की दया से वैसा हुआ भी है। मैं जहां भी जाता हूँ, लोग अच्छे से मिलते हैं। उनकी आंखों में आंसू आ जाते हैं। मेरे हिसाब से हर इंडस्ट्री एक सी ही है। हर चीज का एक तरीका होता है। जहां टैलेंट की वैन्यू होती। पर हां लोगों के दिलों में हम हैं तो फिर कोई मसला होता नहीं।

### आपकी इस फिल्म की कहानी क्या है?

कहानी में एक ऐसी जगह है, जहां विलेन का कहर है। काफी वॉयलेंस एजिस्ट करता है। वैसी जगहें हूबहू तो नहीं, मगर असल जीवन में भी होती हैं, जहां लोग काफी कुछ सहते हैं। जैसे कुछ खास इलाकों में लोग दबकर रहते हैं या मार दिए जाते हैं। उस तरह के विलेन से क्यों और कैसे मेरा किरदार उलझता है, कहानी उस बारे में है।

## रवि तेजा की मास जतारा की रिलीज डेट टली

साउथ अभिनेता और मास महाराजा रवि तेजा के जन्मदिन के अवसर पर उनकी आगामी फिल्म मास जतारा का दमदार टीजर जारी किया गया था, जिसमें रवि पुलिस अफसर की भूमिका में नजर आए। वहीं अब यह जानकारी आई है कि इसकी रिलीज डेट में बदलाव किए गए हैं। साउथ अभिनेता रवि तेजा इन दिनों अपनी फिल्म मास जतारा को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। इस फिल्म में उनके साथ पुष्पा फेम अभिनेत्री श्रीलीला नजर आएंगी। इस फिल्म को भानु बोगावरपु द्वारा लिखित और निर्देशित किया गया है। रवि तेजा की मास जतारा को लेकर जो जानकारी सामने आई है, उसके अनुसार फिल्म को अब 9 मई, 2025 की जगह जुलाई की किसी तारीख को रिलीज किया जाएगा। पवन कल्याण अभिनीत हरि हर वीरा मल्लू की रिलीज डेट और रवि तेजा की मास

### जतारा की रिलीज डेट एक ही दिन होने के कारण ही इसकी रिलीज डेट में बदलाव किए गए हैं। यानी की अब रवि तेजा की फिल्म के लिए फैंस को थोड़ा और इंतजार करना होगा क्योंकि अब फिल्म मई की जगह जुलाई में रिलीज होगी।



## सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर कार्रवाई: 7 कोर्टों की लागत से बने फूड कोर्ट पर चला बुलडोजर



अजमेरा। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत 7 कोर्टों की लागत से बना फूड कोर्ट हटाने की कार्रवाई तेज हो गई है। प्रशासन ने पहले इसके कुछ हिस्से को तोड़ा था, लेकिन अब इसे पूरी तरह से ध्वस्त करने का काम शुरू कर दिया गया है।

17 मार्च को हुई सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया था कि 7 अप्रैल तक इस अवैध निर्माण को हटाने की प्रतीति दी जाए। प्रशासन ने आदेश का पालन करते हुए दोपहर चार बजे से फूड कोर्ट को तोड़ने की प्रक्रिया शुरू कर दी। इस दौरान वहां लगे पौधों और पेड़ों को सुरक्षित निकालने का भी प्रयास किया गया।

यह फूड कोर्ट आनासागर झील और उसके आसपास के वेस्टलैंड क्षेत्र में बना था, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने अवैध करार दिया। नगर निगम की टीम ने इस क्षेत्र में राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (हवन) के आदेश का पालन करते हुए कार्रवाई शुरू की।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के तहत प्रशासन ने तबीजी और हाथीखेड़ा में वेस्टलैंड विकसित करने का प्रस्ताव तैयार किया है। इसमें तबीजी गांव के पास 9.50 हेक्टेयर गैस वॉटरलिंग प्लांट के पास 10.50 हेक्टेयर और हाथीखेड़ा के पास 0.75 हेक्टेयर भूमि शामिल है। याचिकाकर्ता अशोक मलिक ने इस प्रस्ताव पर आपत्ति जताते हुए कहा कि प्राकृतिक वेस्टलैंड का स्थानांतरण संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रशासन सुप्रीम कोर्ट के आदेश का गलत अर्थ निकालते हुए अवैध निर्माण को बचाने की कोशिश कर रहा है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के अनुसार, सेवन वंडर्स पार्क को भी छह महीने में हटवाया जाएगा। हालांकि इसे वहां स्थानांतरित किया जाएगा, इस पर अभी कोई निर्णय नहीं लिया गया है।

अगली सुनवाई 7 अप्रैल को होगी, जिसमें वेस्टलैंड निर्माण का प्रस्ताव पेश किया जाएगा। इसके अलावा, गांधी स्मृति उद्यान, पाथवे और आजाद पार्क कॉम्प्लेक्स से जुड़े मामलों पर भी सुनवाई होगी।

## प्रदेश सस्कर प्रत्येक नागरिक को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध - संसदीय कार्य मंत्री



जोधपुर। संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक मंत्री जोगाराम पटेल ने बुधवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पूर्णिकों की व्यापक औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जांचा लिया। इस दौरान जनरल ओपीडी, इंजेक्शन एवं ड्रिपिंग कक्ष, लेबोरेट्री कक्ष, लेबर वार्ड, टीकाकरण कक्ष, पंजीकरण रजिस्टर एवं दवाओं के स्टॉक का अवलोकन कर व्यवस्थाओं की जांच की।

3500 करोड़ रुपये के 'मा कोष' का गठन  
संसदीय कार्य मंत्री ने कहा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के संवेदनशील नेतृत्व में प्रदेश सरकार प्रत्येक नागरिक को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के तहत आमजन की निःशुल्क जांच एवं दवा के लिए 3500 करोड़ रुपये के 'मा कोष' का गठन किया जाएगा।

केरुम बनेगा ट्रॉमा सेंटर  
पटेल ने कहा क्षेत्रवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा बजट में स्वास्थ्य क्षेत्र में अनेक सौभाग्य मिली हैं जिसमें केरुम में ट्रॉमा सेंटर क्षेत्रवासियों के लिए किसी वदना से कम नहीं है।

सभी कार्मिकों को समय पर अस्पताल में उपस्थित रहने के निर्देश  
संसदीय कार्य मंत्री ने अभियान चलाकर अस्पताल परिसर एवं सभी वार्ड्स में सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी कार्मिकों को निर्देश दिए कि अस्पताल में समय पर उपस्थित रहकर मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराएं।

आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए निर्देश  
पटेल ने रजिस्ट्रेशन काउंटर, आवश्यक सामग्री एवं शुद्ध पेयजल सहित अन्य व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मरीजों को किसी भी प्रकार की परेशानी ना हो, चिकित्सक इसका विशेष ध्यान रखें। उन्होंने अस्पताल के बाड़ों के अवलोकन के दौरान मरीजों एवं उनके परिजनों से बातचीत कर रजिस्टर कर कार्रवाई शुरू की। मिल रही निःशुल्क दवा, निःशुल्क जांच सहित अन्य सुविधाओं का फीडबैक लिया।

## फूड लाइसेंस नहीं होने पर निर्माण पर लगाई रोक

कोटपूतली-बहरोड़ा। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण जयपुर एवं जिला कलक्टर के निर्देश पर 90% आहार मिलावट पर वारं 8% अभियान के तहत कार्रवाई कर मालिकों के पास बैच खाद्य अनुज्ञा पत्र नहीं होने एवं साफ-सफाई संतोषजनक नहीं होने पर निर्माण एवं विक्रय पर रोक लगाई। सोमवार को डॉ. आशीष सिंह शेखावत ने बताया कि खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा मांस करने की मात्रा बढ़ी एवं गुणा मिश्रण भंडार का निरीक्षण किया, इनके पास फूड लाइसेंस नहीं पाया गया जो रजिस्ट्रेशन दिखाया वो वर्ष 2015 में ही एक्सपायर हो गया था। यहाँ तैयार मावा एवं पनीर का सैपल खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत लिया गया। संस्थान में साफ-सफाई संतोषजनक नहीं होने पर फर्म को 15 दिवस में नोटिफिकेशन सुधार हेतु पाबंद कर अग्रिम आदेशों तक निर्माण एवं विक्रय पर रोक लगाई। अन्य गुणा मिश्रण भंडार से बेसन लड्डू का सैपल लिया गया। तीनों नमूनों को जांच हेतु लेबर में भिजवाया जाएगा। जांच रिपोर्ट आने पर संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। खाद्य सुरक्षा अधिकारी शशिकान्त शर्मा ने बताया कि सभी खाद्य विक्रेताओं के पास अपना बैच लाइसेंस/रजिस्ट्रेशन होना जरूरी है। बिना लाइसेंस के किसी भी प्रकार का खाद्य पदार्थ विक्रय करने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत जुर्माना एवं सजा का प्रावधान है।

# बजरंग दल ने किया हनुमान जयंती के पोस्टर का विमोचन

हैदराबाद (एजेंसी),

विश्व हिंदू परिषद के प्रदेश अध्यक्ष नरसिंह मूर्ति ने सभी हिंदुओं से जाति या क्षेत्र से ऊपर उठकर एकजुट होने का आह्वान किया। विश्व हिंदू परिषद के पागुडाकुला बालास्वामी और बजरंग दल के राज्य संयोजक शिवरामुलु ने आह्वान किया। उन्होंने सुझाव दिया कि प्रत्येक हिंदू को गरीब और अमीर के बीच कोई भेदभाव किए बिना एकजुट होना चाहिए। उन्होंने हिंदुओं को बांटने और उन पर राज करने की साजिश रचने के लिए कुछ राजनीतिक दलों की आलोचना की। उन्होंने चेतावनी दी कि अस्तित्व तभी संभव है जब सभी हिंदू एकजुट हों, राजनीति के

लिए कोई जगह नहीं हो, अन्यथा आने वाले दिनों में भयंकर परिणाम होंगे। 12 अप्रैल को होने वाली वीर हनुमान विजया यात्रा (हनुमान जयंती) पोस्टर का अनावरण किया। उन्होंने बताया कि हर साल गौलीगुड़ा हनुमान मंदिर से ताड़बंद हनुमान मंदिर तक आयोजित होने वाली वीर हनुमान विजय यात्रा इस बार भी दोगुने पैमाने और भव्यता के साथ आयोजित की जा रही है।

उन्होंने राजनीति और जाति से परे हिंदू शक्ति का प्रदर्शन करने के लिए हर घर से एक हिंदू कार्यकर्ता को आने का आह्वान किया। सभी को "बंटेगा तो कटेगा" की अवधारणा को समझना चाहिए कि अगर हम अलग हो जाएंगे तो गिर जाएंगे। उन्हें "एक है

तो सुरक्षित है" के आदर्श वाक्य का पालन करना चाहिए कि कुछ भी



तभी हासिल किया जा सकता है जब हम एकजुट हों। कुछ लोग वक्फ के नाम पर देश में अशांति पैदा करने की साजिश कर रहे हैं। हिंदू समाज को ऐसी असामाजिक ताकतों से सावधान रहना चाहिए। वे वक्फ बोर्ड पर प्रतिबद्ध लगाना

चाहते हैं, जिसने उन्हें ऐसी संपत्ति अर्जित करने के कारण पर ला खड़ा

किया है जो उनकी नहीं है। छात्र, बुद्धिजीवी, पत्रकार और समाज के सभी प्रमुख लोग वक्फ मुद्दे के बारे में जागरूकता बढ़ाना चाहते हैं। सभी को पता होना चाहिए कि वक्फ बोर्ड आज संसद भवन के साथ-साथ हजारों साल पुराने ढापर

श्रीकृष्ण मंदिर पर भी अपना दावा कर उस पर कब्जा करने की साजिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि अगर हम वहां बैठकर यह कहें कि "हम यहां क्यों हैं?" तो वे हमें नोटिस दे देंगे कि कल हम जिस घर में रहेंगे वह भी वक्फ संपत्ति है और हमें इसे खाली कर देना चाहिए। वक्फ बोर्ड की पार्वतियां, जो राजनीतिक स्वार्थ का प्रमाण हैं, काफी बढ़ा दी गई हैं। उन्होंने तत्कालीन सरकार पर 2013 में अवैध और असंवैधानिक तरीके से कई अधिकार प्रदान करके देश के साथ बड़ा विश्वासघात करने का आरोप लगाया। इसलिए उन्होंने चिंता व्यक्त की कि सम्पूर्ण हिंदू समुदाय एक साथ विचार करने पर ही सुरक्षित रहेगा, अन्यथा उन्हें गंभीर कठिनाइयों का सामना

करना पड़ेगा। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि आज भायनगर को केन्द्र मानकर शुरू हुई वीर हनुमान विजय यात्रा राज्य के हर जिले, हर मंडल, गांव और ढाणी तक फैल गई है। नेताओं ने कहा कि वे भागवा झंडों के साथ विशाल रैलियां आयोजित कर रहे हैं और श्री राम का नाम जप रहे हैं ताकि सभी हिंदुओं को आश्चर्य किया जा सके कि बजरंग उनके साथ खड़ा रहेगा। प्रत्येक हिंदू को स्वयं सोचना चाहिए और तथ्यों को जानना चाहिए। उन्हें यह समझना चाहिए कि एकजुट होकर ही हम समृद्धि प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि हिंदुओं का अस्तित्व तभी संभव होगा जब सभी लोग, चाहे वे किसी भी जाति के हों, जागृत हों।



हैदराबाद (एजेंसी), इंद्र प्रियदर्शिनी कॉलेज नामपल्ली के वार्षिकोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी राजेंद्र अग्रवाल ने भाग लिया। उनका कॉलेज की तरफ से सम्मान किया। अवसर पर मुकेश पटेल, विपुल पटेल, दिनेश पांचाल, प्राचार्य प्रो. चंद्र मुखर्जी, वाइस प्रिंसिपल डॉ. गीतांजलि, आईक्यूएसी समन्वयक डॉ. आसिया जबीन, कॉमर्स एचओडी अयोध्या रामुलु आदि उपस्थित थे।



हैदराबाद (एजेंसी), महान हिंदू मराठा योद्धा हिंदू हृदय सम्राट श्री छत्रपति शिवाजी महाराज की 345 पुण्यतिथि के अवसर पर नवभारत निर्माण संघ द्वारा अमृत कॉन्फ्रेंस हॉल, राधव रत्ना टॉवर में समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रसिद्ध समाजसेवी अमृत कुमार जैन, संघ के अध्यक्ष एस. रवि कुमार, नवीन शर्मा, लक्ष जैन, तरुण तिवारी, आनंद शर्मा, हितेश सुथार, विजय मिश्रा, राजेश सोनी, जगदीश दाढ़ एवं मन्नालाल बंग ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

## श्री छत्रपति शिवाजी मराठा नवयुवक मंडल के तत्वाधान में



हैदराबाद (एजेंसी), श्री छत्रपति शिवाजी महाराज 345वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में आज इमलीन पार्क के समीप श्री शिवाजी महाराज प्रतिमा के समीप श्रद्धांजलि का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठ कार्यकर्ता श्री शिवाजी राव जगताप जी, श्री शंकर जाधव श्री छत्रपति शिवाजी मराठा नवयुवक मंडल प्रेरक हैदराबाद के अध्यक्ष श्री गजानन देशमुख, कार्यकारिणी अध्यक्ष श्री विनोद शिंदे, उपाध्यक्ष भरत बिरादर, महासचिव पवन शिंदे, रितेश चिंचोली, नितिन कराडे, आनंद माने, अरुण जाधव, महादेव मोरे, संभाजी सागावे व सभी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

## राधे-राधे ग्रुप, भायनगर द्वारा नित्य अन्नप्रसाद (नाश्ता) सेवा जारी



हैदराबाद (एजेंसी), राधे-राधे ग्रुप, भायनगर द्वारा नित्य अन्नप्रसाद (नाश्ता) सेवा पूर्वाह्न पब्लिक गार्डन, पिलर-ए1265, नामपल्ली पर की गई। अवसर पर सतीश गुप्ता रामप्रकाश अग्रवाल महेश अग्रवाल जगत नारायण अग्रवाल गोपाल गोयल महेश गुप्ता सुशील गुप्ता संजय गोयल मायाराम अग्रवाल नंदकिशोर अग्रवाल भगतराम

## आदिलाबाद हवाईअड्डे को हरी झंडी

तेलंगाना सरकार के अथक प्रयासों का परिणाम है। कोमटिरेड्डी वेंकटर रेड्डी ने बताया कि भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के अधिकारियों ने आदिलाबाद हवाईअड्डे को विकसित करने और इसे नागरिक विमानन सेवाओं के लिए उपलब्ध कराने की इच्छा व्यक्त की है। इस संबंध में एक पत्र साझा करते हुए मंत्री ने बताया कि वायु सेना द्वारा भविष्य में वहां वायु सेना प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने की संभावना पर विचार किया जा रहा है। वायु सेना के अधिकारियों ने एक पत्र के माध्यम से तेलंगाना सरकार को सूचित किया कि वे नागरिक विमानन सेवाएं शुरू करने के लिए आवश्यक अनुमति दे रहे हैं। वायु सेना ने सुझाव दिया है कि इस

ने कहा कि चूंकि भारतीय विमानपत्तन सेना के विमानों की आवाजाही के लिए संयुक्त उपयोगकर्ता हवाई क्षेत्र के रूप में विकसित किया जाना चाहिए। रनवे को नागरिक विमानों की आवाजाही के लिए उपयुक्त बनाने, नागरिक टर्मिनल स्थापित करने तथा विमान एप्रन ( विमान पार्किंग, मोड़ने और अन्य विमानन परिचालनों के लिए उपयोग किया जाने वाला विशिष्ट क्षेत्र) जैसे अन्य बुनियादी ढांचे को विकसित करने के लिए काम किए जाने की आवश्यकता है। इसके विचारों को आवश्यक भूमि उपलब्ध कराने के लिए कहा गया है। इस संबंध में मंत्री

गोयल राजेश योगा सरजी अशोक गुप्ता एस.जे कैलाश चंद केडिया निर्मला केडिया विशाल अग्रवाल शिवाजी अग्रवाल प्रीतिका अग्रवाल ई. जगन और अन्य राधे-राधे समूह के सदस्य उपस्थित थे। मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकटर रेड्डी ने तेलंगाना में मामुनूर और आदिलाबाद हवाईअड्डों की मंजूरी के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू और मुख्यमंत्री पुरुलुला रेवेंत रेड्डी को धन्यवाद दिया।

## खतस्नाकहो रहे मवेशी, लोग हो रहे जख्मी

कोटा। शहर की सड़कों से अभी भी मवेशी नहीं हटते हैं। जगह-जगह मवेशी रोड पर लगे मवेशियों के झुंड लोगों के लिए खतरा बने हुए हैं। ये भीड़ में घुस रहे हैं और सड़कों पर दौड़ रहे हैं। जिससे हादसों का खतरा बना हुआ है। शहर में सड़कों पर निरक्षित हालत में घूमने वाले मवेशियों को पकड़कर कथन हाउस व गौशाला में बंद करने की जिम्मेदारी नगर निगम की है। निगम की ओर से इस जिम्मेदारी को सही ढंग से नहीं निभाने के कारण सड़कों पर मवेशियों का झुंड बढ़ता ही जा रहा है। शहर का कोई भी मेन रोड, चौराहा, वीआईपी क्षेत्र, चम्बल पुलिया, फ्लाई ओवर ऐसा नहीं है जहां मवेशियों का जमघट नहीं देखने को मिले। नई धानमंडी के सामने और सब्जीमंडी में तो इतने अधिक मवेशी हैं कि वहां लोगों का जाना ही मुश्किल हो रहा है। इतना ही नहीं जिस निगम की जिम्मेदारी इन मवेशियों को पकड़ने की है उस निगम कार्यालय के आस-पास ही इनका जमघट देखा जा सकता है। यहाँ तक की हाड़वे पर भी मवेशियों के झुंड घूमते हुए देखे जा सकते हैं। जिससे तेज गति से निरन्तर वाले वाहनों से आए दिन इनके ठक्करों पर हादसे होने का खतरा बना हुआ है। कई बार मवेशी अचानक आने या रात के अंधेरे में नजर नहीं आने से हादसे हो भी रहे हैं।



के लिए खतरा हो गया था। गनीमत रही कि एक महिला को वह नजर आ गई। उसने गाय से बचने के लिए महिलाओं को दूर हटाना शुरू कर दिया। जिससे किसी को कोई नुकसान नहीं हुआ। वसा यदि कोई उस गाय को भगाता या गाय भीड़ में उस्कर भागती तो कई महिलाएं चोटिल हो सकती थीं।

## शोभा यात्रा की भीड़ में घुसी गाय

हालत यह है कि सुनसान रोड पर ही नहीं भीड़भाड़ वाले इलाकों तक में पशु घुस रहे हैं। शहर में एक दिन पहले निकली विशाल शोभा यात्रा जिसमें हजारों महिलाएं और लोग शामिल थे। उस भीड़ तकमें एक गाय घुस गई थी। जिससे लोगों

## देव नारायण योजना से पलायन

शहर को वैकट प्री बने बने व पशुओं को शहर से दूर करने के लिए तत्कालीन

## इनका कहना है

नगरनिगम कोट दक्षिण द्वार तो काफी समय से घेर डालकर मवेशी कथन हाउस में लाए जा रहे हैं। नगरनिगम कोट उत्तरे भी पकड़ना शुरू कर दिया है। हालत यह है कि रोजाना 50 से 60 पशुओं को कथन हाउस लाया जा रहा है। जिससे रोजाना दो से तीन चक्कर वाहनों में इन पशुओं को बंधा गौशाला में भेजा जा रहा है। कथन हाउस व गौशाला दोनों जगह पर धमती से अधिक गौशाला हो गई है। उन्हें खने की जगह तक नहीं होने से कई बार नए आने वाले पशुओं की मृत्यु दर अधिक हो जाती है। गौशाला विस्तार के लिए मिली 26 बीघा जमीन की चारदीवारी बनाने का 1.37 करोड़ का टेंडर किया है। जबकि जखरत गौशाला में पशुओं के बाड़े बनाने की है।

-जितेंद्र सिंह, अध्यक्ष, गौशाला समिति, नगरनिगम कोट दक्षिण





## बीसी नेता और राज्यसभा सदस्य आर. कृष्णय्या महात्मा ज्योतिराव फुले उत्कृष्टता पुरस्कार 2025 के लिए चयनित

हैदराबाद (एजन्सी),

बीसी नेता, क्रांतिकारी व्यक्तित्व और राज्यसभा सदस्य आर. कृष्णय्या का महात्मा ज्योतिराव फुले उत्कृष्टता पुरस्कार 2025 के लिए चयनित किया गया। तेलंगाना बुद्धिजीवी मंच राज्य शाखा के अध्यक्ष, डॉ. राज नारायण मुदिराज और महासचिव, प्रोफेसर मोहम्मद अख्तर अली ने आज एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि, बीसी नेता, क्रांतिकारी व्यक्तित्व, पूर्व विधान सभा सदस्य और वर्तमान संसद सदस्य (राज्यसभा) आर. कृष्णय्या को इस वर्ष के महात्मा ज्योतिराव फुले उत्कृष्टता पुरस्कार 2025 के लिए चुना गया है। उन्होंने

बताया कि गुरुवार को राज्य शाखा कार्यालय में हुई कार्यकारी समिति की बैठक में आर. कृष्णय्या को पुरस्कार के लिए चुना गया, जो तेलंगाना राज्य से केवल एक व्यक्ति को दिया जाता है। उन्होंने घोषणा की कि इस महान की 11 तारीख को सुबह 11:30 बजे, विधानसभा में उनके निवास, बीसी भवन के बैठक हॉल में महात्मा ज्योतिराव फुले की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय बीसी कल्याण संघ के अध्यक्ष आर. कृष्णय्या को शॉल, माला, स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने आर. कृष्णय्या की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला, जिनमें उस्मानिया विश्वविद्यालय से एलएलएम में

प्रथम रैंक। 1982 में एमए विश्वविद्यालय योग्यता में द्वितीय



रैंक। 1984 में उस्मानिया विश्वविद्यालय पीजी लॉ कॉलेज छात्र संघ के अध्यक्ष के रूप में 95% वोट प्राप्त करना। 1973-75 से छात्रावास छात्र संघ के अध्यक्ष। 1978 में राज्य बीसी छात्र संघ

और 1987 में बीसी कल्याण संघ की स्थापना की। 1990 में मंडल आयोग आंदोलन के राज्य अध्यक्ष। 1972 से एक छात्र संघ नेता, जिन्होंने कई प्रशंसार्थ प्राप्त कीं। 1980 में, जब राज्य में निजी इंजीनियरिंग कॉलेज स्थापित किए गए, तो उन्होंने तत्कालीन मुख्यमंत्री, डॉ. चन्ना रेड्डी के साथ सफलतापूर्वक बातचीत करके बीसी के लिए 25% आरक्षण सुरक्षित किया। आर. कृष्णय्या के नेतृत्व में, उन्होंने ब्राह्मण, वैश्य, रेड्डी, वेलामा, कम्मा और कापू सहित विभिन्न समुदायों में आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों (ईबीसी) के लिए छात्रवृत्ति शुरू करने के लिए तत्कालीन मुख्यमंत्री, टी. अंजैया पर सफलतापूर्वक दबाव डाला।

50 वर्षों से, उन्होंने हर मुद्दे को हल करने के लिए धरना, प्रदर्शन, सड़क जाम, घेराव, कार्यालय घेराबंदी और विधानसभा घेराबंदी सहित विभिन्न प्रकार के विरोधों के माध्यम से बीसी के कल्याण और विकास के लिए लगातार प्रयास किया है। उन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्री, पीवी नरसिम्हा राव के साथ सफलतापूर्वक बातचीत करके केंद्र सरकार की नौकरी नियुक्तियों में 27% आरक्षण सुरक्षित किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि किसी भी राजनीतिक दल ने कृष्णय्या को नेता नहीं बनाया; उनके समर्पण, अथक सेवा और आंदोलनों में नेतृत्व ने लोगों को उन्हें अपने नेता के रूप में पहचानने के लिए प्रेरित किया।

## जिला पुलिस अधीक्षक ने की उप-विभागीय पुलिस अधिकारियों के साथ की मासिक अपराध समीक्षा बैठक



आदिलाबाद (एजन्सी),

जिला पुलिस अधीक्षक अखिल महाजन ने आदिलाबाद उप-विभागीय पुलिस अधिकारियों के साथ मासिक अपराध समीक्षा

बैठक आयोजित की।

इस अवसर पर जिला पुलिस अधीक्षक ने जिले भर में दर्ज मामलों की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि कर्मचारी लंबे समय से लंबित मामलों की जांच पूरी करें तथा

ईमानदारी से अदालतों में आरोप पत्र दाखिल करें ताकि पीड़ितों को न्याय मिल सके। उन्होंने कहा कि विशेषकर पोक्सो मामलों में जांच पूरी कर निर्धारित समय में रिपोर्ट प्रस्तुत की जानी चाहिए। शहर में बिना नंबर प्लेट वाले वाहनों के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाना चाहिए तथा उन्हें नंबर प्लेट लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। रात में संधि रूप से घूमने वाले लोगों के फिंगरप्रिंट एकत्र किए जाएं और उन्हें ऑनलाइन अपलोड किया जाए। अवसर पर डीएसपी एल जीवन रेड्डी, सीएच नागेंद्र, सीआई वी सुनील कुमार, करुणाकर, श्रीनिवास, प्रणय कुमार आदि उपस्थित थे।



हैदराबाद (एजन्सी), शासन, प्रौद्योगिकी, शिक्षा एवं अन्य क्षेत्रों में राष्ट्रीय स्तर पर स्कॉच अवार्ड प्राप्त करने वाले जिला कलेक्टर राजर्षि शाह का आज जिला कलेक्टर कार्यालय में सनातन हिन्दू उत्सव समिति के तत्वावधान में शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया गया। उत्सव समिति के अध्यक्ष प्रमोद कुमार खत्री ने कलेक्टर राजर्षि शाह को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया तथा उन्हें दिल्ली में पुरस्कार प्राप्त करते हुए उनका विशेष रूप से बनाया गया चित्र भेंट किया। इस कार्यक्रम में समिति के महासचिव गेदाम माधव, कोषाध्यक्ष पदकांति सूर्यकांत, कार्यकारी सचिव कंडुला रविंदर, सतीश, समिति की महिला सदस्य शशिकला और अन्य ने भाग लिया।

## इंदौर प्रजापत नगर आई माता मंदिर में गणगौर पर्व की धूमधाम

इंदौर (एजन्सी),

आई माता मंदिर में गणगौर पर्व धूमधाम से मनाया गया। जिसमें इंदौर समाज की समस्त मातृशक्ति व भाइयों के द्वारा माताजी की पुजा अर्चना कर सभी के सुख समृद्धि की कामना की। गणगौर माताजी की पाती भी समाज जनो के द्वारा दुल्हा दुल्हन बनकर नाच गाने के साथ लाई गई।

माताजी की प्रसादी, भंडारा प्रजापत नगर इंदौर की महिला मंडल के द्वारा किया। इस अवसर पर समाज के समस्त



पदाधिकारी भाई-बहन व मातृशक्ति व बच्चे सभी ने माताजी के पुजा अर्चना कर भोग लगाकर माता जी की विदाई की। इस अवसर

पर अखिल भारतीय सिर्वाँ समाज इंदौर अध्यक्ष श्रीमति लीला हम्मड, अखिल भारतीय सिर्वाँ समाज जिला अध्यक्ष प्रमिला चौहान,

प्रांतीय महिला उपाध्यक्ष श्रीमती राधा भायल, प्रांतीय अध्यक्ष श्रीमति अनिता चोयल व अन्य समस्त मातृशक्ति उपस्थित थी।

## राज्य गुप्त समाचार निदेशक हेमंत एम. निंबालकर को मुख्यमंत्री स्वर्ण पदक प्रदान



बेंगलूर (एजन्सी),

कर्नाटक राज्य गुप्त समाचार निदेशक हेमंत निंबालकर को बुधवार को बेंगलूर में पुलिस इंडा दिवस समारोह में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने स्वर्ण पदक प्रदान किया। हेमंत एम. निंबालकर ने राज्य में नक्सली गतिविधियों को

"शून्य" करने के लिए विशेष सतर्कता के साथ पुलिस अभियान का नेतृत्व किया और सभी नक्सलियों को आत्मसमर्पण करने के लिए निर्देशित और मजबूर किया। 1998 बैच के आईपीएस अधिकारी हेमंत एम. निंबालकर वर्तमान में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के आयुक्त के पद पर भी कार्यरत हैं।

## हैदराबाद में बारिश: पेड़ उखड़ गए, निचले इलाकों में पानी भर गया; सरकार हाई अलर्ट पर

हैदराबाद (एजन्सी),

गुरुवार दोपहर 3 अप्रैल को शहर के कई हिस्सों में हुई भारी, बेमौसम बारिश के बाद तेलंगाना सरकार ने अधिकारियों को हाई अलर्ट पर रहने का निर्देश दिया है। स्थानीय अधिकारियों को आवश्यक राहत उपाय करने और यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है कि शहर में भारी बारिश के कारण लोगों को किसी भी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।

रिपोर्टों में कहा गया है कि गंगा नगर और मौला का चिल्ला सहित निचले इलाकों में अचानक हुई बारिश के कारण घरों में पानी भर गया है। मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव शांति कुमारी को समय-समय पर स्थिति की समीक्षा करने और निचले इलाकों में रहने वालों को असुविधा से बचाने के लिए



उचित उपाय करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि सभी विभागों को सड़कों पर जलभराव, ट्रैफिक जाम और बिजली कटौती को रोकने के लिए मिलकर काम करना चाहिए। दोपहर करीब 2:00 बजे

सोमाजीगुडा), सैदाबाद स्टेट बैंक कॉलोनी, बशीरबाग, नेकलेस रोड, मुशीराबाद, असेंबली रोड और बंजारा हिल्स सहित अन्य इलाकों में पेड़ उखड़ गए, जिससे यातायात जाम की स्थिति पैदा हो गई।

हैदराबाद आपदा प्रतिक्रिया और संपत्ति संरक्षण एजेंसी (HYDRA), हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन वाटर सप्लाय इंजिनीयरी बोर्ड (HMWSSB) और अग्निशमन विभाग हाई अलर्ट पर हैं, जो सड़कों पर पानी भरने के लिए यातायात पुलिस अधिकारियों की मदद कर रहे हैं। मालकपेट आरयूबी, दबौरपुरा दरवाजा और पुल के बीच के इलाके बारिश के बाद घंटों तक जलमग्न रहे। सिद्दिकपुरा बाजार मस्जिद से मौजमजही मार्केट जंक्शन तक की सड़क पर भी भारी जलभराव हो गया।

## एसीबी ने वांकीडी में आरटीए और आबकारी चौकियों पर मारे छापे

हैदराबाद (एजन्सी),

तेलंगाना भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने केबी आसिफाबाद जिले के वांकीडी में आरटीए और आबकारी चौकियों पर अचानक छापे मारे, जिसमें परिवहन वाहनों से अवैध नकदी वसूली का खुलासा हुआ। तलाशी 2 अप्रैल की रात 11:45 बजे से 3 अप्रैल, 2025 की सुबह 3:00 बजे के बीच की गई। एसीबी अधिकारियों ने तीन व्यक्तियों को, दो आबकारी चेक पोस्ट पर और एक आरटीए चेक पोस्ट पर, ट्रकों और परिवहन वाहनों के ड्राइवर्स से रिश्वत लेते हुए पाया।

एसीबी अधिकारियों ने दुरशेड्डी ऐलैया से 8,500 रुपये जब्त किए, जो एमवीआई गुणलेशु माधवी के अनधिकृत कलेक्टर/ड्राइवर हैं। जादव

विजय कुमार से 9,700 रुपये जब्त किए गए, जो एमवीआई शंकर नाइक के अनधिकृत एजेंट हैं। इसके अलावा चेक पोस्ट पर एक ड्रॉप बॉक्स में 26,900 रुपये की बेहिसाबी नकदी भी मिली। आबकारी चेक पोस्ट पर, अधिकारियों ने हिवरी सुभाष गणपति से 2,270 रुपये जब्त किए, जो एक अनधिकृत संग्रह एजेंट हैं। एसीबी ने लोगों से टोल-फ्री नंबर 1064 पर कॉल करके अधिकारियों द्वारा रिश्वत की किसी भी मांग की रिपोर्ट करने के लिए कहा है। व्हाट्सएप (9440446106), फेसबुक (तेलंगाना एसीबी) और एक्स (पूर्व में ट्विटर) @TelanganaACB के माध्यम से भी शिकायत दर्ज की जा सकती है। शिकायतकर्ताओं की पहचान सुरक्षित रखी जाएगी।

## सभी को मिलकर संविधान की रक्षा करनी होगी : सिराज हुसैन

करीमनगर (एजन्सी),

जिला कांग्रेस समिति के महासचिव और जय बापू जय भीम जय संविधान कार्यक्रम के तिम्मापुर मंडल समन्वयक सिराज हुसैन ने सभी से डॉ. बी.आर. अंबेडकर द्वारा लिखित भारतीय संविधान की रक्षा करने और केंद्र सरकार द्वारा की जा रही साजिशों को विफल करने के लिए मिलकर काम करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि सभी को संविधान की रक्षा के लिए तैयार रहना चाहिए तथा जो भाजपा नेता भारतीय संविधान के बारे में अनुचित टिप्पणी कर रहे हैं, उन पर उचित जवाब दिया जाना चाहिए।



गुरुवार को सिराज हुसैन ने कांग्रेस पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ जय बापू जय भीम जय संविधान कार्यक्रम के तहत तिम्मापुर मंडल के जुगुंडला, राम हनुमान और वल्लूर गांवों में पदयात्रा की। उन्होंने सभी गांवों में सबसे पहले डॉ. बी.आर. अंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि घर-घर जाकर भारत के संविधान की रक्षा करना हर किसी

की जिम्मेदारी है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और डॉ. बी.आर. अंबेडकर के चित्रों के साथ एक मार्च निकाला गया। इस अवसर पर विभिन्न स्थानों पर आयोजित सभाओं को संबोधित करते हुए सिराज हुसैन ने कहा कि भाजपा नेताओं द्वारा भारत को आजादी दिलाने वाले राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के बारे में अपमानजनक बातें कहना अपमानजनक है। उन्होंने कहा कि

भाजपा नेता केन्द्र में सत्ता में होने का अहंकार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा गांधीजी के बारे में हल्के ढंग से बात करना मूर्खता है और अगर इसी ढंग से बोलेंगे तो चुप नहीं रहेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं ने यह कहकर लोगों में असुरक्षा की भावना पैदा कर दी है कि संसदीय चुनाव से पहले केन्द्र में सत्ता में आने पर वे संविधान में संशोधन करेंगे। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार में बैठे कुछ लोग डॉ. बी.आर. अंबेडकर द्वारा लिखित भारतीय संविधान को कमजोर करने की साजिश कर रहे हैं। उन्होंने आलोचना की और लोगों से एकजुट होकर उन्हें हराने का आह्वान किया। उन्होंने केंद्र सरकार पर संविधान को कमजोर करने का

प्रयास करने का आरोप लगाया, जो एससी, एसटी और बी.सी. अल्पसंख्यकों की उन्नति के लिए तैयार किया गया था।

उन्होंने सभी लोगों से इन पडचों पर ध्यान देने और उन्हें विफल करने का आग्रह किया। सिराज ने कहा कि मुख्यमंत्री रविंद्र रेड्डी के नेतृत्व में जनता की सरकार समाज के सभी वर्गों के कल्याण के उद्देश्य से शासन प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि किसान, गरीब और सभी समुदाय के लोग खुश हैं। कार्यक्रम में तिम्मापुर मंडल कांग्रेस अध्यक्ष मोरपल्ली रमना रेड्डी, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सुधा गोनी लक्ष्मीनारायण गौड़, कांग्रेस नेता मंगोडी अनिल कुमार, कोत्ता तिरुपति रेड्डी और अन्य ने भाग लिया।

## लायंस क्लब नेत्र अस्पताल में गरीबों का निःशुल्क नेत्र शल्य चिकित्सा



करीमनगर (एजन्सी),

लायंस क्लब ऑफ करीमनगर बोम्बकल के तत्वावधान में रेकुर्ती में स्थित डॉ. भास्कर माडेकर चरिटेबल आई हॉस्पिटल में गुरुवार को हाउसिंग

बोर्ड की कंट्रा रेड्डी सुशीला, बेजन्की निवासी गुडीपटी लक्ष्मी, रंगसाईपल्ली की मार्गम अमृतामा और काटानपल्ली के गन्धू संजीव रेड्डी की मुफ्त नेत्र शल्य चिकित्सा की गई। आज तक 158 सदस्यों को निःशुल्क नेत्र शल्य चिकित्सा उपचार तथा फल एवं ब्रेड उपलब्ध

कराये गये हैं। कार्यक्रम में लायंस इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 320जी जोन के चेयरपर्सन लायन चितला किशन पटेल के अलावा मरीजों के परिवार के सदस्य गन्धू नरसिम्हा रेड्डी, गन्धू रामचंद्र रेड्डी, कंटाला श्रीनिवास रेड्डी और अन्य ने भाग लिया।